मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5 **BHDE-101/EHD-1**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एच.डी.ई.-101/ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) शहर में न कोई हलचल थी, न मार-काट। एक बूँद भी खून नहीं गिरा था। आज तक किसी

स्वाधोन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी। यह वह अहिंसा न थी, जिस पर देवगण प्रसन्न होते हैं। यह वह कायरपन था, जिस पर बड़े-बड़े कायर भी आँसू बहाते हैं। अवध के विशाल देश का नवाब बन्दी चला जाता था और लखनऊ ऐस की नींद में मस्त था। यह राजनीतिक अध:पतन की चरम सीमा थी।

(ख) महाराज ! दहेज की बातचीत ऐसे सत्यवादी पुरुषों से नहीं की जाती। उनसे संबंध हो जाना ही लाख रुपये के बराबर है। मैं इसी को अपना अहोभाग्य समझता हूँ। हा ! कितनी उदार आत्मा थी। रुपये को तो उन्होंने कुछ समझा ही नहीं। तिनके के बराबर की परवाह नहीं की। बुरा रिवाज है, बेहद बुरा ! मेरा बस चले तो दहेज लेने वालों और देने

वालों को गोली मार दूँ, फिर चाहे फाँसी ही क्यों न हो जाए!

(ग) जी हाँ, मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ। मैंने बी.ए. पास किया है। कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की, और न आपके पुत्र की तरह ताक-झाँक कर कायरता दिखाई है। मुझ अपनी इज्जत-अपने मान का ख्याल तो है। लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पैरों पड़कर अपना मुँह छुपाकर भागे थे।

(घ) नहीं, स्त्री और पुरुष का परस्पर विश्वासपूर्ण अधिकार, रक्षा और सहयोग ही तो विवाह कहा जाता है। यदि ऐसा न हो तो धर्म और विवाह खेल है।

(ङ) मेरा मन पूछता है - किस ओर ? मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है ? पशुता की ओर या मनुष्यता की

ओर ? अस्त्र बढ़ाने की ओर या अस्त्र काटने की ओर ? मेरी निर्बोध बालिका ने मानो मनुष्य जाति से ही प्रश्न किया है- जानते हो, नाखून क्यों बढ़ते हैं ? यह हमारी पशुता के अवशेष हैं। मैं भी पूछता हूँ - जानते हो, ये अस्त्र-शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं ? - ये हमारी पशुता की निशानी है।

2. 'शरणदाता' कहानी की कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए। 16

3. 'निर्मला' उपन्यास में किन सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है ? सोदाहरण बताइए। 16

4. एकांकी नाटक के तत्वों के आधार पर कौमुदी-महोत्सव की विशेषताएँ बताइए। 16

5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। 16

6. 'स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन' निबंध के प्रतिपाद्य का उल्लेख कीजिए। 16

7. हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। 16

8. नाटक को परिभाषित करते हुए उसके विभिन्न प्रकारों का परिचय दीजिए। 16

9. कथेतर गद्य की विभिन्न विधाओं का उल्लेख कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8×2=16

(क) 'ठेस' कहानी का शिल्प

(ख) 'निर्मला' की भाषा-शैली

(ग) 'रात बीतने तक' का कथ्य

(घ) पटकथा लेखन